# SYLLABI AND SCHEME OF EXAMINATIONS
# FOR
# MASTER OF ARTS (HINDI)
# Online Program

**(Based on Curriculum and Credit Framework as per NEP 2020)**

**With effect from the Academic Session 2025-26**

**CENTRE FOR DISTANCE AND ONLINE EDUCATION**
**MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY**
**ROHTAK (HARYANA)**

# SCHEME OF EXAMINATIONS
# MASTER OF ARTS (HINDI)

| Type of Course | Nomenclature of Course | Course Code | Total Credits | Assignment Marks | Term End Examination (Theory) Marks | Total Marks |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **Semester I (2025-26 Onwards)** | | | | | | |
| **DSC 1** | आधुनिक हिंदी कविता–1 | 25HND201DS01OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 2** | आधुनिक गद्य साहित्य–1 | 25HND201DS02OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 3** | हिंदी साहित्य का इतिहास–1 | 25HND201DS03OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 4** | भाषाविज्ञान एवंहिंदी भाषा–1 | 25HND201DS04OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 5** | विशेष रचनाकार कबीरदास–1 | 25HND201DS05OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **SEC1** | भाषाई दक्षता–1 | 25HND201SE01OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **Semester II (2025-26 Onwards)** | | | | | | |
| **DSC 6** | आधुनिकहिंदी कविता–2 | 25HND202DS01OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 7** | आधुनिक गद्य साहित्य–2 | 25HND202DS02OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 8** | हिंदीसाहित्य का इतिहास–2 | 25HND202DS03OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 9** | भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा–2 | 25HND202DS04OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 10** | विशेष रचनाकार कबीरदास–2 | 25HND202DS05OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **SEC2** | कंप्यूटर और हिंदी | 25HND202SE01OL | 04 | 30 | 70 | 100 |

| Type of Course | Nomenclature of Course | Course Code | Total Credits | Assignment Marks | Term End Examination (Theory) Marks | Total Marks |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **Semester III (2026-27 Onwards)** | | | | | | |
| DSC 11 | प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य–1 | 26HND203DS01OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| DSC 12 | भारतीय काव्यशास्त्र–1 | 26HND203DS02OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| DSC 13 | भारतीय साहित्य–1 | 26HND203DS03OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| DSC 14 | प्रयोजनमूलक हिंदी–1 | 26HND203DS04OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| DSC 15 | विशेष रचनाकार प्रेमचंद–1 | 26HND203DS06OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| SEC 3 | हिंदी भाषा और अभिव्यक्ति कौशल-I | 26HND203SE01OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **Semester IV (2026-27 Onwards)** | | | | | | |
| DSC 16 | प्राचीन एवं मध्य कालीन काव्य–2 | 26HND204DS01OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| DSC 17 | भारतीय काव्यशास्त्र–2 | 26HND204DS02OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| DSC18 | भारतीय साहित्य–2 | 26HND204DS03OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| DSC19 | प्रयोजनमूलक हिंदी–2 | 26HND204DS04OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| DSC20 | विशेष रचनाकार प्रेमचंद–2 | 26HND204DS06OL | 04 | 30 | 70 | 100 |
| SEC4 | हिंदी भाषा और अभिव्यक्ति कौशल-II | 26HND204SE01OL | 04 | 30 | 70 | 100 |

# SEMESTER - I

Semester 1st

| | | | |
|---|---|---|---|
| Name of Program | | Program Code | |
| Name of the Course | <u>आधुनिक हिंदी कविता–I</u> | Course Code | **25HND201DS01OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

Note:

- प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दस **वस्तुनिष्ठ** प्रश्नपूछेजाएंगे। प्रत्येकप्रश्न **एक.. एक अंक का**होगा।। पूराप्रश्न 10अंक का होगा।
- प्रश्न–2.निर्धारितपाठ्यक्रममें सेआठअवतरणदिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारअवतरणों की संदर्भसहितव्याख्या करनीहोगी।प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करनाअनिवार्यहै।प्रत्येकव्याख्या के लिए **पांच** अंक निर्धारितहैं। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- प्रश्न3.निर्धारितपाठ्यक्रममें से आठआलोचनात्मकप्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारप्रश्नों के उत्तरदेनेहोंगे।प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्नकरनाअनिवार्यहै।प्रत्येकप्रश्न के लिए दसअंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न 40अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):
1 आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख कवियों की समझ
2. आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की रचनाओं का अध्ययन

Unit 1:**मैथिलीशरणगुप्त : साकेत (नवम् सर्ग)**
साकेत : रामकाव्य परम्पराऔरसाकेत, साकेत का महाकाव्यत्व, मैथिलीशरणगुप्त की नारीविषयकदृष्टि, काव्य वैशिष्ट्य ।

Unit 2 : **जयशंकरप्रसाद : कामायनी (श्रद्धा एवंरहस्य सर्ग)**
कामायनी : कामायनी का महाकाव्यत्व, रूपक तत्व, कामायनी की दार्शनिकपृष्ठभूमि, कामायनी का आधुनिकसंदर्भ, प्रसाद का सौन्दर्यबोध ।

Unit 3:**सूर्यकांत त्रिपाठीनिराला** :राम की शक्तिपूजा, स्नेह निर्झर बह गयाहै, संध्या सुंदरी, मैंअकेला, तोड़तीपत्थर, बादलरागप्रथम खंड
छायावादीकाव्य परम्परामेंनिराला का स्थान, निराला के काव्य की प्रयोगशीलता, निराला की प्रगतिशीलचेतना, राम की शक्तिपूजा का मूलकथ्य ।

Unit 4:**रामधारी सिंह दिनकर : कुरूक्षेत्र षष्ठम् सर्ग।**
कुरूक्षेत्र : उत्तरछायावादीकाव्य औरदिनकर, दिनकर का काव्य शिल्प, दिनकर की जीवन दृष्टि, मूलप्रतिपाद्य।

**References:-**


1 मैथिलीशरणगुप्त : कविऔरभारतीय संस्कृतिआख्याता डॉ0 उमाकांत, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दिल्ली ।
2 मैथिलीशरणगुप्तऔरसाकेत : डॉ0 ब्रजमोहनवर्मा, जयपुरपुस्तकसदन, जयपुर ।
3 साकेत एक अध्ययन : डॉ0 नगेन्द्र, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दिल्ली ।
4 संपूर्णकामायनी (पाठ–अर्थ–समीक्षा) : डॉ0 हरिहरप्रसादगुप्त, भाषासाहित्य प्रकाशन, इलाहाबाद
5 निराला की साहित्य साधना : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली।
6 नईकविता की भूमिका : डॉ0 प्रेम शंकर, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दिल्ली ।
7 छायावादीकाव्य औरनिराला : डॉ0 कुमारी शांतिश्रीवास्तव, ग्रंथमकानपुर ।
8 निराला : डॉ0 पदम सिंह शर्मा, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।
9 निरालाऔरनवजागरण : डॉ0 रामरतनभटनागर, साथीप्रकाशन, सागर ।

10 निराला– डॉ0 रामविलास शर्मा, शिवलालअग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा ।
11 निराला की साहित्य साधना (1, 2, 3) भाग–डॉ. रामनिवास शर्मा, राजकमलदिल्ली ।
12 छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचंद्र शाह
13 निराला की साहित्य साधना– डॉ0 रामविलास शर्मातीनों खंड
14 मुक्तिबोध का साहित्य विवेकऔरउनकीकविता– डॉ0 ललनराय, मंथनपब्लिकेशन, रोहतक
15 अज्ञेय की काव्य चेतना– डॉ0 कृष्णभावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाडा, दिल्ली ।
16 दिनकरकाव्य का पुनर्मूल्यांकन : डा0 शम्भुनाथ

Semester 1ST

| Name of Program | | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | आधुनिक गद्य साहित्य –I | Course Code | **25HND201DS02OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

Note:

- प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दसवस्तुनिष्ठप्रश्नपूछेजाएंगे । प्रत्येकप्रश्न**एक एक अंक का**होगा। पूराप्रश्न 10अंक का होगा।
- प्रश्न–2.निर्धारितपाठ्यक्रममें सेआठअवतरणदिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारअवतरणों की संदर्भसहितव्याख्या करनीहोगी।प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करनाअनिवार्यहै।प्रत्येकव्याख्या के लिए पाँचअंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न20अंक का होगा।
- प्रश्न3.निर्धारितपाठ्यक्रममें से आठआलोचनात्मकप्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारप्रश्नों के उत्तरदेनेहोंगे।प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्नकरनाअनिवार्यहै।प्रत्येकप्रश्न के लिए दसअंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न 40अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 हिंदी साहित्य के कथा साहित्य का ज्ञान

2 प्रमुख लेखकों एवं उनकी रचनाओं की समझ विकसित होगी

Unit 1:**प्रेमचंद–गोदान**

कृषक जीवन का महाकाव्य, युगीनसमस्याओं का निरूपण, प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण, प्रेमचंद के साहित्य मेंगोदान का स्थान

Unit 2**हजारीप्रसाद द्विवेदी–बाणभट्ट की आत्मकथा :**

बाणभट्ट की आत्मकथा की मूलसंवेदना, प्रेमदर्शन, आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी के स्त्री–पात्र, बाणभट्ट की आत्मकथामेंआधुनिकता

Unit 3:**महादेवीवर्मा–अतीत के चलचित्र :**

महादेवीवर्मा की संवेदना, सामाजिकसमस्याओं का निरूपण, चरित्र–चित्रण, रचना–शिल्प

Unit 4:**कथान्तर– सं. परमानंदश्रीवास्तव**, राजकमलप्रकाशनपेपरबैक्स, दिल्ली

निर्धारितकहानियाँ –उसनेकहाथा, कफन, आकाशदीप, पत्नी, गैंग्रीन, वापसी, लालपान की बेगम।

निर्धारितकहानियों की मूलसंवेदनाऔरशिल्प

## References:-


1 गोदान : विविध संदर्भोंमें : डॉ0 रामाश्रय मिश्र, उन्मेषप्रकाशन, हरिद्वार ।

2 प्रेमचंदऔरउनका युग : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।

3 गोदान : मूल्यांकनऔरमूल्यांकन : डॉ0 इन्द्रनाथमदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।

4 हिंदीउपन्यास : पहचानऔरपरख : डॉ0 इन्द्रनाथमदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।

5 प्रेमचंद : डॉ0 गंगाप्रसादविमल, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।

6 कहानी : नई कहानी–डॉ0 नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद ।

7 हिंदीकहानी : स्वरूपऔरसंवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दिल्ली

8 कहानी : स्वरूपऔरसंवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दिल्ली ।

9 हिंदीकहानी : एक नईदृष्टि : डॉ0 इन्द्रनाथमदान, संभावनाप्रकाशन, दिल्ली ।

10 हिंदीकहानी : एक अन्तर्यात्री : डॉ0 वेदप्रकाशअमिताभ, अभिसारप्रकाशन, मेहसाना।

11 नईकहानीसंदर्भऔरप्रकृति : देवी शंकरअवस्थी, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।

12 हिंदीकहानी : रचनाप्रक्रिया : परमानन्दश्रीवास्तव, ग्रंथमकानपुर ।

Semester 1ST

| | | | |
|---|---|---|---|
| Name of Program | | Program Code | |
| Name of the Course | हिंदी साहित्य का इतिहास–1 (आदिकाल से रीतिकाल) | Course Code | **25HND201DS03OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note: प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दसवस्तुनिष्ठप्रश्नपूछेजाएंगे । प्रत्येकप्रश्नएक एकअंक काहोगा।। पूराप्रश्न 10अंक का होगा।
- प्रश्न–**2.** निर्धारितपाठ्यक्रममें सेआठलघूत्तरीय प्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमेंसे चारप्रश्नों के उत्तरलगभग 250–250 शब्दोंमेंदेनाहोगा।प्रत्येकप्रश्नपाँचअंक का होगा।पूराप्रश्न**20**अंक का होगा।
- प्रश्न–**3**. निर्धारितपाठ्यक्रममें से कुलआठदीर्घप्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमें से चारप्रश्नों का उत्तरदेनाहोगा।प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्नकरनाअनिवार्यहै।प्रत्येकप्रश्न**10**अंक का होगा।पूराप्रश्न**40**अंक का होगा।

**प**Course Learning Outcomes (CLO):

1 इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगी

2 हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

Unit 1:1 **हिंदीसाहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व–पीठिका**

हिंदीसाहित्य के इतिहासलेखन की परंपरा
साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ
हिंदी–साहित्य का इतिहास : काल–विभाजन, सीमा– निर्धारण

Unit 2आदिकाल

नामकरणऔरसीमा
परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
आदिकालीनकविता की प्रवृतियाँ
रासोकाव्य–परंपरा
पृथ्वीराजरासो की प्रामाणिकता

Unit 3:भक्तिकाल

परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
भक्ति–आंदोलन
भक्तिकालीनकाव्य–धाराएँ : वैशिष्ट्य औरअवदान
संत काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
सूफीकाव्य–धारा : वैशिष्ट्य
रामकाव्य–धारा : वैशिष्ट्य
कृष्णकाव्य–धारा : वैशिष्ट्य
भक्तिकाल : स्वर्णयुग

Unit 4:रीतिकाल

नामकरणऔरसीमा
परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
रीतिकालीनकवियों का आचार्यत्व
विभिन्नकाव्य–धाराओं की विशेषताएँ–
रीतिबद्ध
रीतिसिद्ध
रीतिमुक्त
रीतिइत्तर

# References:-


1 हिन्दीसाहित्य का इतिहास : आचार्यरामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

2 हिन्दीसाहित्य का आलोचनात्मकइतिहास : डॉ0 रामकुमारवर्मा, रामनारायण लाल, बेनीप्रसाद, इलाहाबाद ।

3 हिन्दीसाहित्य की भूमिका : आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।

4 हिन्दीसाहित्य : उद्भवऔरविकास–आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, अत्तर चंद कपूर एण्ड संज, दिल्ली ।

5 हिन्दीसाहित्य का इतिहास : सम्पादक–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दिल्ली ।

6 हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्रतिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

7 मध्ययुगीनकाव्य साधना : डॉ0 रामचन्द्रतिवारी, नवदीपप्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद ।

8 हिन्दीसाहित्य का दूसराइतिहास– डॉ0 बच्चन सिंह, राधा कृष्णप्रकाशन, दिल्ली ।

9 निर्गुणकाव्य : प्रेरणाऔरप्रवृति, डॉ0 रामसजनपाण्डेय, निर्मलपब्लिकेशंस, दिल्ली ।

10 हिन्दीसाहित्य का इतिहास : डॉ0 रामसजनपाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली ।

11 हिन्दीसाहित्येतिहासदर्शन की भूमिका : डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मलपब्लिकेशंस, दिल्ली।

12 हिन्दीसाहित्य का वैज्ञानिकइतिहास : डॉ0 गणपतिचन्द्रगुप्त, भारतेंदु भवन, चण्डीगढ।

13 हिन्दीसाहित्य का आदिकाल : डॉ0 हरिश्चन्द्रवर्मा, हरियाणासाहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।

14 हिन्दीसाहित्य का आदिकाल : आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहारराष्ट्रभाषापरिषद, पटना।

15 आधुनिकहिन्दीसाहित्य : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिन्दीपरिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।

16 हिन्दीसाहित्य चिन्तन : सम्पादकसुधाकरपाण्डेय, कलामन्दिर, नईसड़क, दिल्ली ।

17 हिन्दीसाहित्य औरसंवेदना का विकास : रामस्वरूपचतुर्वेदी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।

Semester 1ST

| Name of Program | | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा– I | Course Code | **25HND201DS04OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note: प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दसवस्तुनिष्ठप्रश्नपूछेजाएंगे । प्रत्येकप्रश्नएक- एकअंक काहोगा।पूराप्रश्न 10अंक का होगा।
- प्रश्न–2. निर्धारितपाठ्यक्रममें सेआठलघूत्तरीय प्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमेंसे चारप्रश्नों के उत्तरलगभग 250–250 शब्दोंमेंदेनाहोगा।प्रत्येकप्रश्नपाँचअंक का होगा।पूराप्रश्न**20**अंक का होगा।
- प्रश्न–3. निर्धारितपाठ्यक्रममें से कुलआठदीर्घप्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमें से चारप्रश्नों का उत्तरदेनाहोगा।प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्नकरनाअनिवार्यहै।प्रत्येकप्रश्न**10**अंक का होगा।पूराप्रश्न**40**अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 भाषा और उसके उपांगो का ज्ञान

2 भाषा विज्ञानं की विशिष्ट समझ विकसित होगी

Unit 1:1 भाषा

भाषा की परिभाषाऔरप्रवृत्ति
भाषा के अध्ययन क्षेत्र
भाषा की व्यवस्थाऔरव्यवहार
भाषा की संरचना
भाषा के अध्ययन की दिशाएँ (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक)

Unit 22स्वनविज्ञान

वाग्यंत्र और ध्वनि–उत्पादनप्रक्रिया
स्वन : परिभाषाऔरवर्गीकरण
स्वनगुणऔरउनकीसार्थकता
स्वनिकपरिवर्तन की दिशाएँ
स्वनिम : स्वरूपऔरवर्गीकरण

Unit 3:रूपविज्ञान एवंवाक्य विज्ञान

शब्दऔर रूप (पद)
संबंध तत्त्वऔरअर्थतत्त्व
रूप, संरूप, रूपिमों का स्वरूप
रूपिमों का वर्गीकरण
भाषा की इकाई के रूपमेंवाक्य
अभिहितान्वयवादऔरअन्विताभिधानवाद
वाक्य के प्रकार :
रचना की दृष्टि से
अर्थ की दृष्टि से
वाक्य की गहनसंरचनाऔरबाहय संरचना

Unit 4:अर्थविज्ञान

अर्थ की अवधारणा, शब्द–अर्थसंबंध
अर्थ–बोध के साधन
एकार्थकता, अनेकार्थता
अर्थ–परिवर्तन की दिशाएँ

# References:-


1 भाषाविज्ञानऔरमानकहिंदी– डॉ0 नरेशमिश्र, अभिनवप्रकाशन, 4424 नईसड़क, दिल्ली– 6 2004 ई0

2 भाषाऔरहिंदीभाषा का इतिहास– डॉ0 नरेशमिश्र, हरियाणासाहित्य अकादमी, 169, सेक्टर–12, पंचकूला, 2006 ई0

3 भाषाऔरभाषाविज्ञान– डॉ0 नरेशमिश्र, निर्मलपब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली–94, 2004 ई0

4 भाषाविज्ञान एवंहिंदी– डॉ0 नरेशमिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदरसारोड, कश्मीरीगेट, दिल्ली 2007 ई0

5 हिंदीभाषा– डॉ0 भोलानाथतिवारी, किताबमहल, सरोजनीनायडूमार्ग, इलाहाबाद, 2005 ई0

6 भाषाविज्ञान– डॉ0 भोलानाथतिवारी, किताबमहल, सरोजनीनायडूमार्ग, इलाहाबाद, 2006 ई0

7 भाषाविज्ञान की भूमिका– प्रो0 देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधा कृष्णप्रकाशन, अंसारीरोड, दरियागंजदिल्ली– 2, 2001 ई0

8 हिंदीभाषा का इतिहास– डॉ0 धीरेन्द्रवर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 2000 ई0

9 हिंदी : उद्भवविकासऔर रूप– डॉ0 हरदेवबाहरी, किताबमहल, सरोजनीनायडू, मार्ग, इलाहाबाद, 1980 ई0

10 सामान्य भाषाविज्ञान– डॉ0 बाबूरामसक्सेना, हिंदीसाहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1983 ई0

11 व्याकरणिककोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन– डॉ0 दीप्ति शर्मा, बिहारग्रंथअकादमीकदमकुऑ, पटना, 2000 ई0

12 आधुनिकभाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह–चतुर्भुजसहाय, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दरियागंज, दिल्ली, 2000 ई0

13 नागरी लिपि – डॉ0 नरेशमिश्र, निर्मलपब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली, 2001 ई0

Semester 1ST

| Name of Program | | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | विशेष रचनाकार कबीरदास– I | Course Code | **25HND201DS05OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

➢ Note:

➢ प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दस **वस्तुनिष्ठ** प्रश्नपूछेजाएंगे । प्रत्येक प्रश्न **एक-एक अंक का**होगा। पूराप्रश्न 10 अंक का होगा।

➢ प्रश्न–2. निर्धारितपाठ्यक्रममेंइकाई 1 और 2 से कुलआठअवतरणदिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारअवतरणों की संदर्भसहितव्याख्या करनीहोगी।प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करनाअनिवार्यहै, प्रत्येकव्याख्या के लिए पाँचअंक निर्धारितहैं। पूरा प्रश्न **20** अंक का होगा।

➢ प्रश्न3. निर्धारितपाठ्यक्रममेंइकाई 3 और 4 से कुलआठप्रश्नदिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारप्रश्नों के उत्तरदेनेहोंगे।यूनिट3 और 4 से दो–दोप्रश्नकरनेअनिवार्यहैं।, प्रत्येकप्रश्न के लिए 10अंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न 40अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):
1 हिंदीसाहित्यकेमध्यकालीनयुगकाविशिष्टज्ञान
2 कविकबीरदासकीकविताकीसमझविकसितहोगी

Unit 1:व्याख्या हेतु निर्धारितपुस्तक : कबीरग्रंथावली– सं. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

निर्धारितसाखियाँ– 50

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 गुरुदेवकौ अंग – | 1, 5, 10, 16, 27 | 2 सुमिरणकौ अंग – | 4, 15, 22, 27, 31 |
| 3 बिरहकौ अंग – | 3, 12, 17, 25, 29 | 4. परचाकौ अंग – | 4, 15, 22, 39, 44 |
| 5 निहकर्मीपतिव्रताकौ अंग – | 1, 5, 12, 13, 17 | 6 चितावणी कौ अंग – | 9, 13, 19, 34, 45 |
| 7 मनकौ अंग – | 7, 14, 23, 25, 29 | 8 मायाकौ अंग – | 2, 12, 20, 28, 32 |
| 9 साचकौ अंग – | 3, 7, 10, 12, 17 | 10. कुसंगतिकौ अंग – | 1, 3, 5, 6, 7 |

Unit 2

निर्धारितपद – 20

रागगौड़ी– 1 से 20

Unit 3:

भक्तिआन्दोलनऔरकबीर, निर्गुणमतऔरकबीर, निर्गुणकाव्यपरम्पराऔरकबीर, मध्यकालीन धर्मसाधनाऔरकबीर, कबीर का समय, कबीर का जीवन वृत्त, कबीर का कृतित्व

Unit 4:

कबीर का जीवन वृत्त, कबीर का कृतित्व, कबीर का समाजदर्शन, कबीर का दार्शनिकचिंतन , कबीर की भक्तिभावना

## References:-


1 निर्गुणकाव्य : प्रेरणाऔरप्रवृति–रामसजनपाण्डेय
2 निर्गुणकाव्य की सांस्कृतिकभूमिका–रामसजनपाण्डेय

3 हिंदीकाव्य मेंनिर्गुण धारा–पीताम्बरदत्तबडथ्वाल, अवध पब्लिशिंगहाउस, लखनऊ ।
4 कबीर–आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।
5 कबीर की कविता– योगेन्द्रप्रताप सिंह
6 कबीरमीमांसा– डॉ0 रामचंद्रतिवारी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।
7 उत्तरीभारत की संत परम्परा–परशुरामचतुर्वेदी, भारतीभण्डार, इलाहाबाद ।
8 कबीर के काव्य रूप–नजीरमुहम्मद
9 कबीरसाहित्य की परख –परशुरामचतुर्वेदी, भारतीभण्डार, इलाहाबाद ।
10 संत कबीर– सं0 रामकुमारवर्मा,
11 कबीर की विचारधारा–गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर ।
12 हिंदी की निर्गुणकाव्य धाराऔरकबीर–जयदेव सिंह
13 रधुवंश : कबीर : एक नईदृष्टि

| Name of Program | HINDI | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | भाषाई दक्षता | Course Code | 25HND201SE01OL |
| Hours per Week | 4 | Credits | 4 |
| Maximum Marks | 100 | Time of Examinations | |

**Note : Formative Assessment Model**

| | Marks distribution |
|---|---|
| Written test (2 X 15) | 30 |
| MCQs/ Quizzes/ Group Discussion (2 X 10) | 20 |
| Case study / Mini project (1 X 25) | 25 |
| Seminar / Presentation (2 X 10) | 20 |
| Attendance | 05 |
| **Total** | **100** |

**Course Learning Outcomes (CLO):**

1. भाषाई दक्षता का विकास
2. विद्यार्थियों की कार्यकुशलतामेंवृद्धि
3. विषय के संक्षेपण एवंपल्लवन की कुशलता का विकास

**Unit 1:**

भाषाई दक्षता का विकास

भाषाई दक्षता से तात्पर्य

भाषाई दक्षता का महत्व

श्रवणऔरवाचन

पठनऔरलेखन

**Unit 2:**भाषाई दक्षता की निर्माणप्रक्रिया

भाषाईसंरचना की समझऔरविकास

भाषा–व्यवहार (भाषिक प्रयोगऔर शैली)

भाषाई क्षमताकोप्रभावितकरनेवालेतत्व (आयु, लिंग, शिक्षा, वर्ग)

**Unit 3:**भाषाई दक्षता का प्रायोगिकपक्ष

भाषाई दक्षता की रणनीति : आंकलन, लक्ष्य निर्धारण, नियोजन के स्तरपर

शब्द–सामर्थ : सामान्य एवंतकनीकी शब्द

सुननाऔरबोलना–प्रभावीश्रवण के आयाम, शुद्ध उच्चारण, भाषण, एकालाप, वार्तालाप

पढ़नाऔरलिखना– स्वाध्याय औरउद्देशय–केंद्रितपठन, सामान्य लेखनऔररचनात्मकलेखन

**Unit 4:**भाषाई दक्षता का व्यावहारिकपक्ष

किसी एक विषय पर–भाषण, वार्तालाप या टिप्पणी, समूहचर्चा

किसी एक विषय का भाव–विस्तार या पल्लनन

द्रुतवाचन–किसीसाहित्यिक कृतिपरआधारितसमीक्षा–पुस्तक–समीक्षा, फिल्म–समीक्षा

**References:** 1. भाषाशिक्षण–रवींद्रनाथश्रीवास्तव

2. सृजनात्मकसाहित्य –रवींद्रनाथश्रीवास्तव

3. व्यावसानिकहिंदी–दिलीप सिंह

4. प्रयोजनमूलकहिंदी–दंगलझाल्टे

5. आधुनिकपत्रकारिता– डॉ. अनुजतिवारी

6. व्यावहारिकहिंदी एवंप्रयोग– डॉ. ओमप्रकाश
7. जनमाध्यम प्रौद्योगिकीऔरविचारधारा–जगदीश्वरचतुर्वेदी

# SEMESTER - II

Semester 2ND

| | | | |
|---|---|---|---|
| Name of Program | | Program Code | |
| Name of the Course | आधुनिक हिंदी कविता– 2 | Course Code | **25HND202DS01OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

Note:

- प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दसवस्तुनिष्ठप्रश्नपूछेजाएंगे । प्रत्येकप्रश्नएक -एक अंक काहोगा।पूराप्रश्न 10अंक का होगा।
- प्रश्न–2.निर्धारितपाठ्यक्रममें सेआठअवतरणदिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारअवतरणों की संदर्भसहितव्याख्या करनीहोगी।होगी।प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करनाअनिवार्यहै।प्रत्येकव्याख्या के लिए पाँचअंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न20अंक का होगा।
- प्रश्न3.निर्धारितपाठ्यक्रममें से आठआलोचनात्मकप्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारप्रश्नों के उत्तरदेनेहोंगे।प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्नकरनाअनिवार्यहै।प्रत्येकप्रश्न के लिए दसअंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न 40अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 हिंदी साहित्य के आधुनिक युग का विशिष्ट ज्ञान

2 प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी

Unit 1:

**सच्चिदानन्दहीरानंदवात्स्यायनअज्ञेय** : असाध्य वीणा, सोनमछली, एक बूँदसहसाउछली

प्रयोगवादीपरंपराऔरअज्ञेय, अज्ञेय का काव्य वैशिष्ट्य, असाध्य वीणा का मूलप्रतिपाद्य, अज्ञेय की काव्य भाषा।

Unit 2

**नागार्जुन** :चन्दूमैंनेसपना देखा, बादलकोघिरते देखा है, बाकी बच गयाअण्डा, अकालऔरउसकेबाद, मास्टर, शासन की बन्दूक, आओरानीहमढोयेंगेपालकी, सत्य, तीनदिनतीनरात ।

नागार्जन का काव्य वैशिष्ट्य, यथार्थचेतनाऔरलोकदृष्टि, राजनीतिकदृष्टि, काव्य भाषा, काव्य शिल्प।

Unit 3:

**गजानन माधव मुक्तिबोध** :अंधेरेमें, भूलगलती

मुक्तिबोध का काव्य संसार, मुक्तिबोध की विश्वदृष्टि, सामाजिकचेतना, काव्य शिल्प

Unit 4:

**रघुवीरसहाय** : पढिए गीता, किलेमेंऔरत, बड़ीहोरहीहैलडकी, रामदास, औरत की चीख, पैदलआदमी, पानीपानीबच्चाबच्चा ।

स्वातंत्र्योत्तर युगऔररघुवीरसहाय की कविता, रघुवीरसहाय का राजनैतिकपरिप्रेक्ष्य, रघुवीरसहाय की कविताओंमेंसामाजिक यथार्थ, काव्य वैशिष्ट्य।

# References:-


1 नागार्जुन का रचनासंसार : सम्पा0 विजय बहादुर सिंह
2 आलोचना का नागार्जुनविशेषांक
3 सागर से शिखरतक : रामकमलराय (लोकभारती)
4 पूर्वग्रह का अज्ञेय अंक
5 फिलहाल : अशोकवाजपेयी
6 रघुवीरसहाय का कविकर्म : सुरेश शर्मा
7 रघुवीरसहाय : सम्पा0 विष्णुनागरऔरअसदजैदी, आधारप्रकाशन, पंचकूला ।
8 अज्ञेय कवि : डॉ0 ओमप्रकाशअवस्थी
9 अज्ञेय का रचनासंसार : सम्पा0 गंगाप्रसादविमल
10 अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन : डॉ0 चन्द्रकांतवांदिवडेकर
11 अज्ञेय : कविऔरकाव्य : डॉ0 राजेन्द्रप्रसाद
12 अज्ञेय : सृजनऔरसंघर्ष : डॉ0
13 अज्ञेय : सम्पा0 विश्वनाथप्रसादमिश्र
14 आज के प्रतिनिधि कविअज्ञेय : डॉ0 विद्यानिवासमिश्रा
15 नागार्जुन की कविता : डॉ0 अजय तिवारी
16 नागार्जुन की काव्य यात्र : रतनकुमारपाण्डेय
17 नागार्जुन की कवितामें युगबोध : चन्द्रिकाठाकुर
18 नागार्जुनऔरउनकारचनासंसार : विजय बहादुर सिंह
19 आलोचनानागार्जुनविशेषांक 1981
20 नागार्जुन का काव्य और युग : अंतः संबंधों का अनुशीलन–जगन्नाथपंडित
21 मुक्तिबोध की रचनाप्रक्रिया : अशोकचक्रधर
22 मुक्तिबोध ज्ञानऔरसंवेदना : नन्दकिशोरनवल
23 मुक्तिबोध के प्रतीकऔरबिम्ब : चंचलचौहान
24 मुक्तिबोध की आत्मकथा : विष्णु चंद शर्मा
25 मुक्तिबोध का साहित्य विवेकऔरउनकीकविता : डॉ0 लल्लनराय, मंथनपब्लिकेशंस, रोहतक ।
26 अज्ञेय की काव्य चेतना : डॉ0 कृष्णभावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाड़ादिल्ली ।

Semester 2$^{ND}$

| Name of Program | | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | आधुनिक गद्य साहित्य –2 | Course Code | **25HND202DS02OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

➢ Note

➢ प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दसवस्तुनिष्ठप्रश्नपूछेजाएंगे । प्रत्येकप्रश्न**एक- एक अंक का**होगा।। पूराप्रश्न 10अंक का होगा।

➢ प्रश्न–2.निर्धारितपाठ्यक्रममें सेआठअवतरणदिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारअवतरणों की संदर्भसहितव्याख्या करनीहोगी।प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करनाअनिवार्यहै।प्रत्येकव्याख्या के लिए पाँचअंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न20अंक का होगा।

➢ प्रश्न3.निर्धारितपाठ्यक्रममें से आठआलोचनात्मकप्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारप्रश्नों के उत्तरदेनेहोंगे।प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्नकरनाअनिवार्यहै।प्रत्येकप्रश्न के लिए दसअंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न 40अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 हिंदी साहित्य के गद्य का विशिष्ट ज्ञान

2 प्रमुख लेखकों एवं उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी

Unit 1:चंद्रगुप्त– जयशंकरप्रसाद

चंद्रगुप्तनाटक की ऐतिहासिकता, नायकत्व, राष्ट्रीयता, रंगमंच की दृष्टि से चंद्रगुप्त।

Unit 2 आधे अधूरे–मोहनराकेश

आधुनिकताबोध, परिवारसंस्था का स्वरूप, प्रयोगधर्मिता, चरित्र–चित्रण।

Unit 3:आवारामसीहा–विष्णुप्रभाकर

जीवनीसाहित्य मेंआवारामसीहा का स्थान, आवारामसीहा की रचना के प्रेरकतत्व, आवारामसीहामेंचित्रित शरतचंद्र का व्यक्तित्ववैशिष्ट्य, आवारामसीहा के संदर्भमें शरतचंद्र की स्त्री दृष्टि।

Unit 4:निर्धारितनिबंध :साहित्य जनसमूह के हृदय का विकासहै, कवियों की उर्मिलाविषयकउदासीनता, मजदूरीऔरप्रेम, कविताक्याहै, नाखूनक्यों बढतेहैं, पगडंडियों का जमाना, अस्ति की पुकारहिमालय निर्धारितनिबंधों का प्रतिपाद्य एवंशिल्प।

## References:-


1 हिंदीनाटक : उद्भवऔर विकास–डॉ0 दशरथओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली ।

2 प्रसाद के नाटक : स्वरूपऔरसंरचना–गोविन्दचातक, साहित्य भारती, दिल्ली ।

3 मोहनराकेशऔर उनके नाटक : गिरीशरस्तोगी, लोकभारती, इलाहाबाद ।

4 आधुनिकनाटक का मसीहा : मोहनराकेश, डॉ0 गोविन्दचातक, इन्द्रप्रस्थप्रकाशन, दिल्ली।

5 नाटककारमोहनराकेश : जीवन प्रकाशजोशी, सन्मार्गप्रकाशन, दिल्ली ।

6 मोहनराकेश का नाट्य साहित्य : डॉ0 पुष्पाबंसल, सूर्यप्रकाशन, दिल्ली ।

7 समसामयिकहिंदीनाटकोंमेंचरित्र सृष्टि : सामयिकप्रकाशन, दिल्ली ।
8 हिंदीनाट्य चिंतन : डॉ0 कुसुमकुमार, साहित्य भारती, दिल्ली ।
9 भारतीय नाट्य साहित्य : डॉ0 नगेन्द्र, एस. चांद एंडकंपनी, दिल्ली ।
10 रंगमंच : बलवंतगार्गी : राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।
11 आचार्यरामचन्द्र शुक्लनिबंध यात्रा : डॉ0 कृष्णदेव, इतिहास, शोध संस्थान, नईदिल्ली ।
12 हिंदीसाहित्य मेंनिबंध का विकास : ओंकारनाथ शर्मा, अनुसंधानप्रकाशन, कानपुर ।
13 सरदारपूर्ण सिंह : रामअवध शास्त्री, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
14 हिंदीनिबंधकार : जयनाथनलिन, आत्माराम एंडसंस, दिल्ली ।
15 समकालीनललितनिबंध : डॉ0 विमलसिंहल, श्यामप्रकाशन, जयपुर ।
16 आवारामसीहा : जीवनी के निकषपर, मायामलिक, मंथनपब्लिकेशंस, रोहतक ।

Semester 2ND

| Name of Program | | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | हिंदी साहित्य का इतिहास आधुनिक काल–2 | Course Code | **25HND202DS03OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note:
- प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दसवस्तुनिष्ठप्रश्नपूछेजाएंगे । प्रत्येकप्रश्न**एक -एक अंक का**होगा। पूराप्रश्न 10अंक का होगा।
- प्रश्न–**2**. निर्धारितपाठ्यक्रममें सेआठलघूत्तरीय प्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमेंसे चारप्रश्नों के उत्तरलगभग 250–250 शब्दोंमेंदेनाहोगा।प्रत्येकप्रश्नपाँचअंक का होगा।पूराप्रश्न**20**अंक का होगा।
- प्रश्न–**3**. निर्धारितपाठ्यक्रममें से कुलआठदीर्घप्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमें से चारप्रश्नों का उत्तरदेनाहोगा।प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्नकरनाअनिवार्यहै।प्रत्येकप्रश्न**10**अंक का होगा।पूराप्रश्न**40**अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 हिंदी साहित्य के गद्य का विशिष्ट ज्ञान

2 प्रमुख लेखकों एवं उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी

Unit 1:

**आधुनिकहिंदीसाहित्येतिहास**

परिवेश : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, साहित्यिक 1857 ई0 की राज्यक्रांति औरपुनर्जागरण

Unit 2

**भारतेंदु युग** : प्रवृत्तिगतविशेषताएँ

Unit 3:

**द्विवेदी युग** : प्रवृत्तिगतविशेषताएँ

Unit 4

**छायावादीकाव्य** : प्रवृत्तिगतविशेषताएँ

**उत्तरछायावादीकाव्य** : प्रतिनिधि रचनाकार एवंप्रवृतियाँ

प्रगतिवाद : प्रवृत्तिगतविशेषताएँ

प्रयोगवाद : प्रवृत्तिगतविशेषताए

नईकविता : प्रवृत्तिगतविशेषताएँ

नवगीत : प्रवृत्तिगतविशेषताएँ

समकालीनकविता : प्रवृत्तिगतविशेषताएँ

## References:-

1 हिन्दीसाहित्य का इतिहास : आचार्यरामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

2 हिन्दीसाहित्य का आलोचनात्मकइतिहास : डॉ0 रामकुमारवर्मा, रामनारायण लाल,

बेनीप्रसाद, इलाहाबाद ।
3 हिन्दीसाहित्य की भूमिका : आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।
4 हिन्दीसाहित्य : उद्भवऔरविकास–आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी,
अत्तर चंद कपूर एण्ड संस, दिल्ली ।
5 हिन्दीसाहित्य का इतिहास : सम्पादक–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दिल्ली ।
6 हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्रतिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
7 मध्ययुगीनकाव्य साधना : डॉ0 रामचन्द्रतिवारी, नवदीपप्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद ।
8 हिन्दीसाहित्य का दूसराइतिहास– डॉ0 बच्चन सिंह, राधा कृष्णप्रकाशन, दिल्ली ।
9 निर्गुणकाव्य : प्रेरणाऔरप्रवृति, डॉ0 रामसजनपाण्डेय, निर्मलपब्लिकेशंस, दिल्ली ।
10 हिन्दीसाहित्य का इतिहास : डॉ0 रामसजनपाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली ।
11 हिन्दीसाहित्येतिहासदर्शन की भूमिका : डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मलपब्लिकेशंस, दिल्ली।
12 हिन्दीसाहित्य का वैज्ञानिकइतिहास : डॉ0 गणपतिचन्द्रगुप्त, भारतेंदु भवन, चण्डीगढ
13 हिन्दीसाहित्य का आदिकाल : डॉ0 हरिश्चन्द्रवर्मा, हरियाणासाहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।
14 हिन्दीसाहित्य का आदिकाल : आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहारराष्ट्भाषापरिषद, पटना।
15 आधुनिकहिन्दीसाहित्य : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिन्दीपरिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।
16 हिन्दीसाहित्य चिन्तन : सम्पादकसुधाकरपाण्डेय, कलामन्दिर, नईसड़क, दिल्ली ।
17 हिन्दीसाहित्य औरसंवेदना का विकास : रामस्वरूपचतुर्वेदी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।

Semester $2^{ND}$

| | | | |
|---|---|---|---|
| Name of Program | | Program Code | |
| Name of the Course | भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – 2 | Course Code | **25HND202DS04OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

➢ Note:

➢ प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दसवस्तुनिष्ठप्रश्नपूछेजाएंगे । प्रत्येकप्रश्नएक एक अंक काहोगा।पूराप्रश्न 10अंक काहोगा।

➢ प्रश्न–**2**. निर्धारितपाठ्यक्रममें सेआठलघूत्तरीय प्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमेंसे चारप्रश्नों के उत्तरलगभग 250–250 शब्दोंमेंदेनाहोगा।प्रत्येकप्रश्नपाँचअंक का होगा।पूराप्रश्न**20**अंक का होगा।

➢ प्रश्न–**3**. निर्धारितपाठ्यक्रममें से कुलआठदीर्घप्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमें से चारप्रश्नों का उत्तरदेनाहोगा।प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्नकरनाअनिवार्यहै।प्रत्येकप्रश्न**10**अंक का होगा।पूराप्रश्न**40**अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 भाषा और उसके उपांगो का ज्ञान

2 भाषा विज्ञानं की विशिष्ट समझ विकसित होगी

Unit 1:

**हिंदीभाषा का इतिहास**

प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ –वैदिक एवंलौकिकसंस्कृत
मध्ययुगीनभारतीय आर्यभाषाएँ –पालि, प्राकृत, अपभ्रंश
आधुनिकभारतीय आर्यभाषाएँ : परिचय
आधुनिकभारतीय आर्यभाषाओं का परिचय –हार्नलेऔरग्रियर्सन का वर्गीकरण

Unit 2

**हिंदी का विकासात्मकस्वरूप**

हिंदी की उप भाषाएँ :
पूर्वीहिंदीऔरउनकीबोलियाँ
पश्चिमीहिंदीऔरउनकीबोलियाँ
मानकहिंदी का स्वरूप
काव्य –भाषा के रूपमेंअवधी का विकास
काव्य –भाषा के रूपमेंब्रज का विकास
साहित्यिकहिंदी के रूप मे खडीबोली का विकास
हिंदी की संवैधानिकस्थिति

Unit 3:

**हिंदी का भाषिकस्वरूप**

स्वनिमव्यवस्था : स्वर –परिभाषाऔरवर्गीकरण
व्यंजन–परिभाषाऔरवर्गीकरण
हिंदी शब्दसंरचना : उपसर्ग, प्रत्यय, समस्तपद
हिंदीव्याकरणिककोटियाँ : लिंग, वचन, पुरुष, कारकऔरकाल की व्यवस्थासंदर्भमें
हिंदीसंज्ञा, सर्वनाम, विशेषणऔरक्रिया रूप
हिंदीवाक्य रचना
हिंदी के विविध रूप ;बोली, भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्कभाषा, माध्यम भाषा, संचारभाषा

Unit 4

**नागरी लिपि औरहिंदीप्रचार–प्रसार**

हिंदी : प्रचार–प्रसारप्रमुख व्यक्तियों का योगदान

प्रमुख संस्थाओं का योगदान

नागरी लिपि का नामकरणऔरविकास

नागरी लिपि की वैज्ञानिकता

नागरी लिपि का मानकीकरण

**हिंदीकंप्यूटिंग**

कंप्यूटरपरिचय एवंमहत्व

आंकडासंसाधन

वर्तनी–शोधन

## References:-


1 भाषाविज्ञान एवंहिंदी– डॉ0 नरेशमिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदरसारोड, कश्मीरीगेट, दिल्ली 2007 ई0

2 हिंदीभाषा– डॉ0 भोलानाथतिवारी, किताबमहल, सरोजनीनायडूमार्ग, इलाहाबाद, 2005 ई0

3 भाषाविज्ञान– डॉ0 भोलानाथतिवारी, किताबमहल, सरोजनीनायडूमार्ग, इलाहाबाद, 2006 ई0

4 भाषाविज्ञान की भूमिका– प्रो0 देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधा कृष्णप्रकाशन, अंसारीरोड, दरियागंजदिल्ली–2001 ई0

5 हिंदीभाषा का इतिहास– डॉ0 धीरेन्द्रवर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 2000 ई0

6 हिंदी : उद्भवविकासऔर रूप– डॉ0 हरदेवबाहरी, किताबमहल, सरोजनीनायडूमार्ग, इलाहाबाद, 1980 ई0

7 सामान्य भाषाविज्ञान– डॉ0 बाबूरामसक्सेना, हिंदीसाहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1983 ई0

8 व्याकरणिककोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन– डॉ0 दीप्ति शर्मा, बिहारग्रंथअकादमी, कदमकुऑं, पटना 2000 ई0

9 आधुनिकभाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह–चतुर्भुजसहाय, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दरियागंज, दिल्ली, 2000 ई0

10 नागरी लिपि – डॉ0 नरेशमिश्र, निर्मलपब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली, 2001 ई0

Semester 2ND

| Name of Program | | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | विशेष रचनाकार कबीरदास– 2 | Course Code | **25HND202DS05OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note: प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दसवस्तुनिष्ठप्रश्नपूछेजाएंगे । प्रत्येकप्रश्नएक एकअंक काहोगा।पूराप्रश्न 10अंक का होगा।
- प्रश्न–2. निर्धारितपाठ्यक्रममेंइकाई 1 और 2 से कुलआठअवतरणदिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारअवतरणों की संदर्भसहितव्याख्या करनीहोगी।प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करनाअनिवार्यहै, प्रत्येकव्याख्या के लिए पाँचअंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न**20**अंक का होगा।
- प्रश्न3. निर्धारितपाठ्यक्रममेंइकाई 3 और 4 से कुलआठप्रश्नदिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारप्रश्नों के उत्तरदेनेहोंगे।यूनिट3 और 4 से दो–दोप्रश्नकरनेअनिवार्यहैं।, प्रत्येकप्रश्न के लिए 10अंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न 40अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 हिंदीसाहित्यकेमध्यकालीनयुगकाविशिष्टज्ञान

2 कविकबीरदासकीकविताकीसमझविकसितहोगी

Unit 1:व्याख्या हेतु निर्धारितपुस्तक : कबीरग्रंथावली– सं. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

निर्धारितसाखियाँ– 50

| | |
|---|---|
| संगतिकौ अंग – 2, 3, 5, 7, 8 | साध कौ अंग – 3, 7, 10, 11, 13 |
| बिचारकौ अंग – 2, 4, 5, 7, 8 | उपदेशकौ अंग – 1, 4, 6, 8, 10 |
| विर्कताईकौ अंग – 1, 3, 6, 7, 10 | जीवन मृतककौ अंग – 2, 4, 7, 12, 14 |
| कालकौ अंग – 4, 7, 11, 16, 19 | संजीवनीकौ अंग – 1, 2, 5, 6, 7 |
| कस्तूरियांमृगकौ अंग – 3, 4, 6, 7, 8 | निंद्याकौ अंग – 1, 3, 4, 5, 7 |

Unit 2

निर्धारित पद – 20

रामरामकली– 143 से 163तक

Unit 3

कबीर का स्त्री विषयक चिंतन

कबीर की मानवतावादीदृष्टि

कबीर का रहस्यवाद

कबीर के राम

कबीर की प्रासंगिकता

Unit 4

कबीर के काव्यरूप

कबीर की उलटबासियाँ

कबीर की भाषा एवंप्रतीक योजना

कबीर के पारिभाषिक शब्द : अलख, उन्मनि, अजपाजाप, अनहदनाद, सुरतिनिरति, नादबिंदु, औंधा कुँआ।

# References:-


1 निर्गुणकाव्य : प्रेरणाऔरप्रवृति–रामसजनपाण्डेय

2 निर्गुणकाव्य की सांस्कृतिकभूमिका–रामसजनपाण्डेय

3 हिंदीकाव्य मेंनिर्गुण धारा–पीताम्बरदत्तबडथ्वाल, अवध पब्लिशिंगहाउस, लखनऊ ।

4 कबीर–आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।

5 कबीर की कविता– योगेन्द्रप्रताप सिंह

6 कबीरमीमांसा– डॉ0 रामचंद्रतिवारी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।

7 उत्तरीभारत की संत परम्परा–परशुरामचतुर्वेदी, भारतीभण्डार, इलाहाबाद ।

8 कबीर के काव्य रूप–नजीरमुहम्मद

9 कबीरसाहित्य की परख –परशुरामचतुर्वेदी, भारतीभण्डार, इलाहाबाद ।

10 संत कबीर– सं0 रामकुमारवर्मा,

11 कबीर की विचारधारा–गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर ।

12 हिंदी की निर्गुणकाव्य धाराऔरकबीर–जयदेव सिंह

13 रधुवंश : कबीर : एक नईदृष्टि

Semester-2nd

| Name of Program | | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | कंप्यूटर और हिंदी | Course Code | 25HND202SE01OL |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 100 | Time of Examinations | |

**Note : Formative Assessment Model**

| | **Marks distribution** |
|---|---|
| Written test (2 X 15) | 30 |
| MCQs/ Quizzes/ Group Discussion (2 X 10) | 20 |
| Case study / Mini project (1 X 25) | 25 |
| Seminar / Presentation (2 X 10) | 20 |
| Attendance | 05 |
| **Total** | **100** |

Course Learning Outcomes (CLO):

1 कंप्यूटर से जुड़ीचुनौतियोंऔरसंभावनाओं का ज्ञानहोगा।

2 ई–लर्निंगऔरई–शिक्षणमेंहिंदी का प्रयोगसीख सकेंगे।

3 हिंदीमेंकंप्यूटरसंबंधीकौशल का विकासहोगा।

Unit 1:**कंप्यूटरतकनीक का विकासऔरहिंदी**

कंप्यूटर : सामान्य परिचय औरविकासहिंदी के विविध फॉन्ट्स

कंप्यूटरमेंहिंदी की चुनौतियाँ औरसंभावनाएं

Unit 2:**हिंदीभाषाऔरप्रौद्योगिकी**

इंटरनेटऔरहिंदी

देवनागरीऔर यूनिकोड

हिंदीभाषाऔरब्लॉगनिर्माण

Unit 3: **हिंदीभाषा, कंप्यूटरऔरई–शिक्षण**

हिंदीभाषाऔरई–शिक्षण

ई–लर्निंगऔरहिंदी

हिंदीभाषामेंई–पुस्तकालय औरई–पाठशाला

Unit 4:**हिंदीभाषाऔरकंप्यूटरप्रायोगिकपक्ष**

इंटरनेटपरहिंदीपत्र–पत्रिकाओं का परिचय

हिंदीमेंवेबपेजतैयारकरना

हिंदीमेंवीडियोमॉड्यूलऔरपॉडकास्टतैयारकरना

**References:-**

1 हरिमोहन,कंप्यूटरऔरहिंदी, तक्षशिलाप्रकाशन, दिल्ली।

2. हरिमोहन,आधुनिकजनसंचारऔरहिंदी, तक्षशिलाप्रकाशन, दिल्ली।

3. मल्होत्रा, विजय कुमार,कंप्यूटर के भाषिकअनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

4. गोयल, संतोष,हिंदीभाषाऔरकंप्यूटर, श्रीनटराजप्रकाशन, दिल्ली।

5. शर्मा, पी. के., कंप्यूटर के डाटाप्रस्तुतिकरणऔरभाषासिद्धांत, डायनेमिकपब्लिकेशन, दिल्ली।

6. द्विवेदी, संजय (संपादक),सोशलनेटवर्किंगः नए समय का संवाद, यश पब्लिकेशन, दिल्ली।

7. बिसारिया, यादव, कुशवाहा,पुनीत, बीरेंद्र सिंह, यतेंद्र सिंह, कार्यालयीहिंदीऔरकंप्यूटर, प्रभातप्रकाशन, दिल्ली ।

8. रंजन, राजेश,अपनाकंप्यूटरअपनीभाषामें, सामयिकप्रकाशन, दिल्ली।

# SEMESTER - III

| Name of Program | | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य – 1 | Course Code | **26HND203DS01OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note:
- प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दसवस्तुनिष्ठप्रश्नपूछेजाएंगे । प्रत्येकप्रश्नएक-एक अंक काहोगा।पूराप्रश्न 10अंक का होगा।
- प्रश्न–2.निर्धारितपाठ्यक्रममें सेआठअवतरणदिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारअवतरणों की संदर्भसहितव्याख्या करनीहोगी।प्रत्येकव्याख्या के लिए पाँचअंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न20अंक का होगा।
- प्रश्न3.निर्धारितपाठ्यक्रममें से आठआलोचनात्मकप्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारप्रश्नों के उत्तरदेनेहोंगे।प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्नकरनाअनिवार्यहै।प्रत्येकप्रश्न के लिए दसअंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न 40अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

**1 हिंदी साहित्य के प्राचीन एवं मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान**

**2 प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी**

Unit 1:चन्दवरदायी : पृथ्वीराजरासउ का पदमावती समय : संपादकमाताप्रसादगुप्त(सम्पूर्ण)
पृथ्वीराजरासो की प्रमाणिकता, पृथ्वीराजरासो का वस्तुवर्णन, पदमावती समय का काव्य सौंदर्य

Unit 2 विद्यापति : विद्यापति की पदावली : संपादक–रामवृक्ष बेनीपुरी
निर्धारित पद – 1, 2, 4, 8, 9, 11, 12, 14, 35, 38, 62, 72, 141, 144, 145, 174, 176, 178, 190, 191, कुल 20 पद
विद्यापति : भक्त या श्रृंगारीकवि, विद्यापति का श्रृंगारवर्णन, सौंदर्यबोध, गीतियोजना, काव्य शिल्प

Unit 3कबीरः संपादक : आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी
निर्धारितअंश (।) पाठ्य साखियाँ–106, 113, 115, 148, 157, 161, 162, 175, 176, 177, 178, 190, 191, 200, 201, 202, 203, 204, 219, 220, 221, 222, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 237, 238, –30

कबीर की सामाजिकविचारधारा,
कबीर की निर्गुणोंपासना,
कबीर का दार्शनिकचिंतन,
कबीर की प्रासंगिकता,
कबीर का काव्य शिल्प

Unit 4:तुलसीदासः व्याख्या हेतु:
रामचरितमानस (सुंदरकांड) गीता प्रेस गोरखपुर
तुलसी के राम
तुलसी की समन्वय भावना
तुलसी की भक्ति भावना
तुलसी का आदर्शवाद
तुलसी का काव्य शिल्प

# References:-


1 पृथ्वीराजरासो : साहित्यिकमूल्यांकन डॉ0 द्विजराम यादव, साहित्य लोकप्रकाशन, कानपुर
2 चन्दबरदायीऔरउनकाकाव्य, विपिनबिहारी त्रिवेदी ए हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद ।
3 आदिकाल की प्रामाणिकरचनाएँ, डॉ0 गणपतिचन्द्रगुप्तनेशनलपब्लिशिंगहाउसप्रकाशन, नईदिल्ली ।
4 विद्यापति का सौन्दर्यबोध–डॉ0 रामसजनपाण्डेय, अनंगप्रकाशनमन्दिर, दिल्ली ।
5 विद्यापति : व्यक्तिऔर कवि–डॉ0 रामसजनपाण्डेय, दिनमानप्रकाशन, दिल्ली ।
6 विद्यापति–विश्वनाथमिश्र, नन्दकिशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी ।
7 कालजयी कबीर–डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, गुरू नानकदेव युनिवर्सिटी, अमृतसर ।
8 कबीर मीमांसा–डॉ0 रामचन्द्रतिवारी, लोकभारतीप्रकाशन, वाराणसी ।
9 कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्वऔरसिद्धांत–डॉ0 सरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, जयपुर ।
10 मध्ययुगीनकाव्य साधना–डॉ0 रामचन्द्रतिवारी, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या ।
11 संत कबीर–रामकुमारवर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।
12 संत कविदादूऔरउनकाकाव्य–वासुदेव शर्मा, शोध प्रबन्ध प्रकाशन, नईदिल्ली ।
13 गोस्वामी तुलसीदास- रामजी तिवारी, साहित्य अकादमी, दिल्ली
14 गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, साहित्य सरोवर, आगरा

Semester- 3rd

| Name of Program | | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | भारतीय काव्यशास्त्र – 1 | Course Code | **26HND203DS02OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note:
- प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दसवस्तुनिष्ठप्रश्नपूछेजाएंगे । प्रत्येकप्रश्नएक -एक अंक काहोगा।। पूराप्रश्न 10अंक का होगा।
- प्रश्न–**2**. निर्धारितपाठ्यक्रममें सेआठलघूत्तरीय प्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमेंसे चारप्रश्नों के उत्तरलगभग 250–250 शब्दोंमेंदेनाहोगा।प्रत्येकप्रश्नपाँचअंक का होगा।पूराप्रश्न**20**अंक का होगा।प्रश्न–**3.**निर्धारितपाठ्यक्रममें से कुलआठदीर्घप्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमें से चारप्रश्नों का उत्तरदेनाहोगा।प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्नकरनाअनिवार्यहै।प्रत्येकप्रश्न**10**अंक का होगा।पूराप्रश्न**40**अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

**1 हिंदी साहित्य में भारतीय काव्यशास्त्रका विशिष्ट ज्ञान**

**2 छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि पैदा करना**

Unit 1:काव्य : स्वरूपऔरप्रकार

काव्य : अर्थऔरपरिभाषा

काव्य–हेतु

काव्य–प्रयोजन

काव्य–भेद : महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य

Unit 2 रस––सिद्धान्त

रस : परिभाषातथास्वरूप

रस–निष्पत्ति

साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा

अलंकारसिद्धान्त : स्वरूपतथास्थापनाएँ

रीतिसिद्धान्त : स्वरूपतथास्थापनाऍ

Unit 3 ध्वनिसिद्धान्त : स्वरूपतथास्थापनाएँ

वक्रोक्तिसिद्धान्त : स्वरूपतथास्थापनाएँ

औचित्य सिद्धान्त : स्वरूपतथास्थापनाएँ

Unit 4: हिंदी के प्रमुख आलोचकतथाउनकीआलोचनादृष्टि

आचार्यरामचन्द्र शुक्ल

आचार्यनन्ददुलारेवाजपेयी

आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी

डॉ0 रामविलास शर्मा

# References:-


1 1 काव्यशास्त्र–भगीरथमिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

2 हिंदीकाव्यशास्त्र का इतिहास–भगीरथमिश्र, लखनऊविश्वविद्यालय, लखनऊ ।

3 भारतीय काव्यशास्त्र–योगेन्द्रप्रताप सिंह, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।

4 भारतीय काव्यशास्त्र–सत्यदेवचौधरी, अलंकारप्रकाशन, नईदिल्ली ।

5 काव्य के रूप–गुलाबराय, प्रतिभाप्रकाशनमंदिर, दिल्ली ।

6 साहित्यालोचन–श्यामसुन्दरदास, इण्डियनप्रैस, प्रयाग ।

7 हिंदीआलोचना : उद्भवऔरविकास–भगवतस्वरूपमिश्र, साहित्य सदन, देहरादून ।

8 आलोचकऔरआलोचना–बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।

9 प्रगतिशीलहिंदीआलोचना की रचनाप्रक्रिया–हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

10 साहित्य का आधारदर्शन–जयनाथ 'नलिन', आलोकप्रकाशन, भिवानी ।

11 साहित्य और अध्ययन–गुलाबराय, आत्माराम एण्ड सन्ज, दिल्ली ।

12 हिंदीआलोचना का विकास–डॉ0 सुरेशसिन्हा, रामाप्रकाशन, लखनऊ ।

13 हिंदीआलोचना की पारिभाषिक शब्दावली–डॉ0 अमरनाथ, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।

Semester- 3rd

| Name of Program | | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | भारतीय साहित्य–1 | Course Code | **26HND203DS03OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note:
- प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दसवस्तुनिष्ठप्रश्नपूछेजाएंगे । प्रत्येकप्रश्नएक- एक अंक काहोगा।पूराप्रश्न 10अंक का होगा।
- प्रश्न–**2**. निर्धारितपाठ्यक्रममें सेआठलघूत्तरीय प्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमेंसे चारप्रश्नों के उत्तरआठलगभग**250-250 शब्दों में**देनाहोगा।प्रत्येकप्रश्नपाँचअंक का होगा।पूराप्रश्न**20**अंक का होगा।
- प्रश्न–**3.**निर्धारितपाठ्यक्रममें से कुलआठदीर्घप्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमें से चारप्रश्नों का उत्तरदेनाहोगा।प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्नकरनाअनिवार्यहै।प्रत्येकप्रश्न**10**अंक का होगा।पूराप्रश्न**40**अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 हिंदी साहित्य के भारतीय साहित्य का ज्ञान

**2 भारतीय साहित्य भारतीय समाज में सामंजस्य स्थापित करता है**

Unit 1:भारतीय साहित्य की सैद्धांतिकअवधारणा

भारतीय साहित्य का स्वरूप
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं
भारतीयता का समाजशास्त्र
हिंदीसाहित्य मेंभारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

Unit 2 बांग्लासाहित्येतिहास का परिचयात्मक अध्ययन

चैतन्यपूर्ववैष्णव भक्तिपरम्परा : संक्षिप्तपरिचय
वैष्णव भक्तिपरम्परामेंचैतन्य महाप्रभु का योगदान
बांग्ला का इस्लामीकाव्य : प्रमुख प्रवृत्तियां

Unit 3

बांग्लानवजागरणआंदोलनऔरबांग्ला गद्य का विकास
बांग्ला की आधुनिककविता : विकासऔरपरम्परा
बांग्लानाटक : विकासऔरपरम्परा
बांग्लाउपन्यास : विकासऔरपरम्परा

Unit 4हिंदी एवंबांग्लासाहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

हिंदी एवंबांग्लानवजागरण का तुलनात्मक अध्ययन
भारतेन्दुहरिश्चंद्र एवंबंकिमचंद्रचटर्जी के साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का तुलनात्मक अध्ययन
उपन्यासकारप्रेमचंद एवं शरत्चंद्रचट्टोपाध्याय की स्त्री–दृष्टि का तुलनात्मक अध्ययन
निराला एवंरवीन्द्रनाथटैगोर के काव्य का तुलनात्मक अध्ययन

# References:-


1 बंगलासाहित्य की कथा : हिंदीसाहित्य–सुकुमारसेन, हिंदीसाहित्य सम्मेलनप्रयाग 2009

2 रवीन्द्रकविताकानन–सूर्यकांत त्रिपाठीनिराला, राजकमलप्रकाशन, नई दिल्ली–1955

3 बंगलासाहित्य का इतिहास, सुकुमारसेन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली–1970

4 फोर्टविलियमकालेज, लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, इलाहाबादविश्वविद्यालय, इलाहाबाद–1948

5 मध्यकालीन धर्मसाधना, हजारीप्रसाद द्विवेदीसाहित्य भवन, इलाहाबाद, 1013

Semester- 3rd

| | | | |
|---|---|---|---|
| Name of Program | | Program Code | |
| Name of the Course | प्रयोजनमूलक हिंदी– I | Course Code | **26HND203DS04OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note:
- प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दसवस्तुनिष्ठप्रश्नपूछेजाएंगे । प्रत्येकप्रश्न**एक- एक अंक का**होगा।। पूराप्रश्न 10अंक का होगा।
- प्रश्न–**2**. निर्धारितपाठ्यक्रममें सेआठलघूत्तरीय प्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमेंसे चारप्रश्नों के उत्तरलगभग 250–250 शब्दोंमेंदेनाहोगा ।प्रत्येकप्रश्नपाँचअंक का होगा ।पूराप्रश्न**20**अंक का होगा।
- प्रश्न–**3.**निर्धारितपाठ्यक्रममें से कुलआठदीर्घप्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमें से चारप्रश्नों का उत्तरदेनाहोगा ।प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्नकरनाअनिवार्यहै ।प्रत्येकप्रश्न**10**अंक का होगा ।पूराप्रश्न**40**अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

**1** राजभाषा हिंदी का ज्ञान कराना

**2** कार्यालयी राजभाषा के प्रमुख प्रकारों की जानकारी

Unit 1:प्रयोजनमूलकहिंदीऔरराजभाषा

- प्रयोजनमूलकहिंदी : परिभाषाऔरस्वरूप
- हिंदी के विविध रूप : सर्जनात्मकभाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, संचारभाषा
- राजभाषाहिंदी के प्रमुख रूप : प्रारूपण, पल्लवन, संक्षेपण, टिप्पण, पत्र–लेखन
- पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा, स्वरूपऔरमहत्व, पारिभाषिक शब्दावलीनिर्माण के सिद्धांत

Unit 2 हिंदीकंप्यूटिंग

कंप्यूटर : परिचय औरमहत्व<br>
कंप्यूटर : संरचनात्मकस्वरूप<br>
इंटरनेटसंपर्कउपकरणों का परिचय<br>
इंटरनेट समय मितव्ययिता का सूत्र<br>
इंटरनेट का ऐतिहासिकपरिचय<br>
इंटरनेट : कार्यप्रणाली एवंसुविधाएँ<br>
मशीनीअनुवाद

Unit 3अनुवाद : सिद्धांत एवंव्यवहार

- अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप एवंप्रक्रिया
- हिंदी की प्रयोजनीयतामेंअनुवाद की भूमिका
- साहित्यिकअनुवाद : सिद्धांतऔरव्यवहार

- काव्यानुवादऔरउससेसंबंधितसमस्याएँ
- कार्यालयीहिंदीऔरअनुवाद
- कहानी का अनुवादऔरउससेसंबंधितसमस्याएँ
- विज्ञापन का अनुवाद

## References:-


1 राजभाषाहिंदी–कैलाशचन्द्रभाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2 प्रशासनिकहिंदी, महेशचन्द्रगुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3 व्यावहारिकहिंदीऔरस्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4 भाषाऔरभाषाविज्ञान, डॉ0 नरेशमिश्र, निर्मलप्रकाशन, दिल्ली ।
5 भाषाविज्ञानऔरमानक हिंदी–डॉ0 नरेशमिश्र, अभिनवप्रकाशन, दिल्ली ।
6 भाषाऔरभाषा विज्ञान–डॉ0 हरिश्चन्द्रवर्मा, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक ।
7 आधुनिकविज्ञापन–प्रेमचन्दपातंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
8 प्रयोजनमूलकहिंदी, दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
9 कंप्यूटरप्रोग्रामिंग एंडआपरेटिंगगाइड–शशांकजौहरी, पूर्वांचलप्रकाशन, दिल्ली ।
10 कंप्यूटर : सिद्धांतऔरतकनीक, राजेन्द्रकुमार, पूर्वांचलप्रकाशन, दिल्ली ।
11 कंप्यूटरऔरहिंदी–हरिमोहन, तक्षशिलाप्रकाशन, दिल्ली ।
12 रेडियोऔरपत्रकारिता–हरिमोहन, तक्षशिलाप्रकाशन, दिल्ली ।
13 सैद्धांतिक एवंअनुप्रयुक्तभाषा विज्ञान–डॉ0 रवीन्द्रनाथश्रीवास्तव, साहित्य सहकार, दिल्ली।

Semester-3rd

| Name of Program | | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | विशेष रचनाकार प्रेमचंद– 1 | Course Code | **26HND203DS06OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note

- प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दसवस्तुनिष्ठप्रश्नपूछेजाएंगे । प्रत्येकप्रश्नएक -एक अंक काहोगा।। पूराप्रश्न 10अंक का होगा।

- प्रश्न–2.निर्धारितपाठ्यक्रममेंसे ईकाई एक औरइकाईदो सेआठअवतरणदिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारअवतरणों की संदर्भसहितव्याख्या करनीहोगी।प्रत्येक यूनिट सेदो–दोव्याख्या करनीहोगी।प्रत्येकव्याख्या के लिए पाँचअंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न20अंक का होगा।

- प्रश्न3.निर्धारितपाठ्यक्रममें से आठआलोचनात्मकप्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारप्रश्नों के उत्तरदेनेहोंगे।प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्नकरनाअनिवार्यहै।प्रत्येकप्रश्न के लिए दसअंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न 40अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 प्रेमचंदयुगीनपरिस्थितियों का ज्ञानकराना

2 प्रेमचंदकोसमग्रता से समझना

Unit 1:प्रेमचंद : प्रतिनिधि कहानियाँ

बडेभाईसाहब, नशा, ईदगाह, पूस की रात, नमक का दरोगा, सवासेरगेहूँ, बडे घर की बेटी, शतरंज के खिलाडी, रामलीला, आत्माराम, ठाकुर का कुँआ, दोबैलों की कथा, सद्गति, पंचपरमेश्वर, परीक्षा, कफन ।

Unit 2 निर्धारितनिबंध –नयाजमानापुरानाजमाना, महाजनीसभ्यता, साम्प्रदायिकता औरसंस्कृति, साहित्य का उद्देश्य, जीवन औरसाहित्य में घृणा का स्थान, कहानीकला

Unit 3आलोच्य विषय

प्रेमचंद का जीवन –वृत्त (कलम का सिपाही एवंप्रेमचंद घरमें के विशेषसंदर्भ में)

प्रेमचंद का कृतित्वऔरलेखकीय जीवन की विकासरेखा

राष्ट्रीय आन्दोलनऔरप्रेमचंद

प्रेमचंद का जीवन –दर्शन

हिंदीकहानी के विकासमेंप्रेमचंद का योगदान

Unit **4** आलोच्य विषय

प्रेमचंद की कहानियोंमें युगीन यथार्थ

प्रेमचंद का वैचारिक गद्य (समाज, राजनीति, संस्कृति, साहित्य एवंभाषासंबंधीप्रेमचंदके विचार)

पत्रकारिता के संदर्भमेंप्रेमचंद का योगदान

प्रेमचंद की भाषा

प्रेमचंद की प्रासंगिकता

# References:-


1 जैनेन्द्रकुमार : प्रेमचंद एक कृतिव्यक्तित्व

2 नन्ददुलारेवाजपेयी : प्रेमचंद : साहित्यिकविवेचना

3 अमृतराय : कलम का सिपाही, प्रेमचंद की प्रासंगिकता

4 शिवरानीदेवी : प्रेमचंद घरमें

5 रामविलास शर्मा : प्रेमचंद एक विववेचन

6 कल्याणमललोढ़ा सं0 : प्रेमचंदपरिचर्चा

7 राजेश्वरगुरु संपादक : गोदानमूल्यांकनमाला

8 विश्वनाथप्रसादतिवारी संपा0 : प्रेमचंद

9 शैलेशजैदी : प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा : नवमूल्यांकन

10 कमलकिशोरगोयनका : प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्पविधान

11 नन्दकिशोरनवल : प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्र

12 रामबक्ष : प्रेमचंदऔरभारतीय किसान

13 कोमलकोठारी, देया : प्रेमचंद के पात्र

14 मदनगोपाल : कलम का मजदूर

Semester - 3rd

| | | | |
|---|---|---|---|
| **Name of Program** | | **Program Code** | |
| **Name of the Course** | **हिंदी भाषा और अभिव्यक्ति कौशल** – 1 | **Course Code** | 26HND203SE01OL |
| **Hours per Week** | **4** | **Credits** | **4** |
| **Maximum Marks** | **100** | **Time of Examinations** | |

**Note : Formative Assessment Model**

| | **Marks distribution** |
|---|---|
| Written test (2 X 15) | 30 |
| MCQs/ Quizzes/ Group Discussion (2 X 10) | 20 |
| Case study / Mini project (1 X 25) | 25 |
| Seminar / Presentation (2 X 10) | 20 |
| Attendance | 05 |
| **Total** | **100** |

**Course Learning Outcomes (CLO):**

1. रचना एवंप्रयोगमेंहोनेवालीअशुद्धियों से अवगतकराना
2. विद्यार्थियों की कार्यकुशलतामेंवृद्धि करना
3. विद्यार्थियों के संप्रेषणकौशलमेंवृद्धि करना

**Unit 1**भाषा का स्वरूप

भाषा का सामाजिकसंदर्भऔरविविध प्रयोग

**Unit 2:**हिंदीभाषा की संरचना

हिंदीभाषा की प्रयोगगतअशुद्धियां

हिंदीभाषा का मानकीकरण

**Unit 3**हिंदीभाषा के अनुप्रयोगगतआयाम

प्रयोजनमूलकहिंदी : अवधारणाऔरस्वरूप

मनोरंजन की हिंदी

ज्ञान–विज्ञान के क्षेत्र की हिंदी

अनुवादऔरहिंदी

| |
|---|
| **Unit 4:**संप्रेषणकौशल : स्वरूप एवंप्रकार<br>संप्रेषण के बढ़तेचरण : सूचनासमाज, संचार<br>संप्रेषणऔरसंचारमेंअंतःसंबंध |
| **References**1.<br>1. भाषाशिक्षण—रवींद्रनाथश्रीवास्तव<br>2. हिंदीभाषा का समाजशास्त्र —रवींद्रनाथश्रीवास्तव<br>3. व्यावसानिकहिंदी—दिलीप सिंह<br>4. प्रयोजनमूलकहिंदी—दंगलझाल्टे<br>5. संचारभाषाहिंदी—सूर्यप्रसाददीक्षित<br>6. व्यावहारिकहिंदी एवंप्रयोग— डॉ. ओमप्रकाश<br>7. जनमाध्यम प्रौद्योगिकीऔरविचारधारा—जगदीश्वरचतुर्वेदी |

# SEMESTER - IV

| Name of Program | | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य – 2 | Course Code | **26HND204DS01OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

➢ Note:

➢ प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दसवस्तुनिष्ठप्रश्नपूछेजाएंगे । प्रत्येकप्रश्नएक-एक अंककाहोगा।पूराप्रश्न 10अंक का होगा।

➢ प्रश्न–2.निर्धारितपाठ्यक्रममें सेआठअवतरणदिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारअवतरणों की संदर्भसहितव्याख्या करनीहोगी।प्रत्येकव्याख्या के लिए पाँचअंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न20अंक का होगा।

➢ प्रश्न3.निर्धारितपाठ्यक्रममें से आठआलोचनात्मकप्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारप्रश्नों के उत्तरदेनेहोंगे।प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्नकरनाअनिवार्यहै।प्रत्येकप्रश्न के लिए दसअंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न 40अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

**1 हिंदी साहित्य के प्राचीन एवं मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान**

**2 प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी**

Unit 1सूरदास

भ्रमरगीतसार : संपादकरामचन्द्र शुक्ल

पाठ्य पद–21 से 50–कुल 30 पद

**आलोचनात्मकप्रश्न**

भ्रमरगीतपरम्पराऔरसूर का भ्रमरगीत, सूर की भक्तिभावना, सूर का श्रृंगारवर्णन, सूर का वात्सल्य वर्णन, सूर की भाषा–शैली, सूर की गीतियोजना, भ्रमरगीत का प्रतिपाद्य

Unit 2 तुलसीदास

कवितावली, गीताप्रैसगोरखपुर

व्याख्या के लिए निर्धारत पद

बालकाण्ड – 1 से 5, 17, 20, 22

अयोध्या काण्ड – 1,2,7,11,12,19 से 25

उत्तरकाण्ड – 26 से 50

तुलसीदास की भक्तिभावना, तुलसीदास की सामाजिकतथासांस्कृतिकदृष्टि, तुलसीदास की प्रासंगिकता, तुलसीदास की समन्वय भावना, कवितावली का काव्य रूप, कवितावली का काव्य सौष्ठव, तुलसीदास की लोकमंगल–भावना

Unit 3 बिहारी

बिहारी रत्नाकार–सं0 जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

निर्धारित दोहे–1, 2, 13,16, 25, 31, 32, 38, 51, 52,61, 69, 70, 71, 73, 78, 85,103, 112, 121, 141, 142, 154, 171,191, 192, 201, 207, 217, 228, 251, 255, 285, 299, 301, 303, 321, 327, 341, 347, 357, 386, 432, 472, 519, 576, 635, 677, 681, 713–50दोहे

बिहारी–आलोचनात्मकप्रश्न

सतसईकाव्य परम्पराऔरबिहारीसतसई

बिहारी का श्रृंगारवर्णन

बिहारी की बहुज्ञता

बिहारी का शिल्पपक्ष

Unit 4:

भूषण

भूषण ग्रंथावली- संपादक आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन सन 2012

शिव भूषण- 50, 350, 409, 411, 420, 423, 429, 430, 438, 443, 446, 477, 504, 510, 522

भूषण का जीवन वृत व रचनाएँ

हिंदी वीर काव्य परम्परा और भूषण

भूषण का वीर रस वर्णन

भूषण का शिल्प पक्ष

**References:-**


1 तुलसीदर्शनमीमांसा–उदयभानु सिंह, लखनऊविश्वविद्यालय, लखनऊ ।

2 तुलसीदास–चन्द्रबलीपाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

3 तुलसीसाहित्य के सांस्कृतिक आयाम–डॉ0 हरिश्चन्द्रवर्मा, हिंदीसाहित्य संस्थान, रोहतक।

4 तुलसी का मानस–डॉ0 मुंशीराम शर्मा, ग्रन्थम, कानपुर ।

5 सूरऔरउनकासाहित्य–डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, भारतप्रकाशनमन्दिर, अलीगढ़।

6 सूर की साहित्य साधना–डॉ0 भगवत्स्वरूपमिश्र एवंविश्वम्भरअरुण, शिवलालअग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा ।

7 बिहारीऔरउनकासाहित्य–डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, भारतप्रकाशनमन्दिर, अलीगढ़ ।

8 हिंदीसाहित्य का इतिहास–आचार्यरामचन्द्र शुक्ल, नागरीप्रचारिणीसभा, काशी ।

9 बिहारी–बच्चन सिंह, साहित्य अकादमी, नईदिल्ली ।

10 महाकविबिहारी का श्रृंगार निरूपण–डॉ0 गणपतिचन्द्रगुप्त, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, नईदिल्ली ।

11 भारतीय साहित्य के निर्माता भूषण- राजमल वोरा, साहित्य अकादमी, दिल्ली

Semester- 4th

| Name of Program | | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | भारतीय काव्यशास्त्र – 2 | Course Code | **26HND204DS02OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note: प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दस **वस्तुनिष्ठ** प्रश्नपूछेजाएंगे । प्रत्येकप्रश्न **एक-एक अंक** का होगा।पूराप्रश्न 10अंक का होगा।
- प्रश्न–**2**. निर्धारितपाठ्यक्रममें सेआठलघूत्तरीय प्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमेंसे चारप्रश्नों के उत्तरलगभग 250–250 शब्दोंमेंदेनाहोगा।प्रत्येकप्रश्नपाँचअंक का होगा।पूराप्रश्न**20**अंक का होगा।
- प्रश्न–**3.**निर्धारितपाठ्यक्रममें से कुलआठदीर्घप्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमें से चारप्रश्नों का उत्तरदेनाहोगा।प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्नकरनाअनिवार्यहै।प्रत्येकप्रश्न**10**अंक का होगा।पूराप्रश्न**40**अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

**1 हिंदी साहित्य में भारतीय काव्यशास्त्रका विशिष्ट ज्ञान**

**2 प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी**

Unit 1:प्लेटो : काव्य सिद्धान्त
अरस्तू : अनुकरणतथाविरेचनसिद्धांत
लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा

Unit 2 ड्राइडन : काव्य सिद्धांत
वर्ड्सवर्थ : काव्य सिद्धांत
कॉलरिज : कल्पनासिद्धांत

Unit 3मैथ्यूआर्नल्ड : आलोचना का स्वरूपऔरप्रकार्य
टी0 एस0 इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
आई0 ए0 रिचर्ड्स : संवेगों का संतुलन

Unit 4:काव्यशास्त्र : सिद्धांतऔरवाद–
स्वच्छन्दतावाद
शास्त्रीयतावाद
अभिव्यंजनावाद
मार्क्सवाद
फ्रायडवाद
अस्तित्ववाद
उत्तरआधुनिकतावाद

# References:-

1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त–डॉ0 मैथिलीप्रसादभारद्वाज, हरियाणासाहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।

2 पाश्चात्य काव्यशास्त्र–देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, नईदिल्ली ।

3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा–डॉ0 तारकनाथबाली, शब्दकार, दिल्ली ।

4 आलोचकऔरआलोचना–बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।

5 प्रगतिशीलहिंदीआलोचना की रचनाप्रक्रिया–हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी ।

6 पाश्चात्य काव्य चिंतन–डॉ0 करूणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

7 पाश्चात्य काव्य शास्त्र : अधुनातनसंदर्भ–सत्यदेवमिश्र, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।

8 हिंदीआलोचना के आधारस्तम्भ–सम्पादकरामेश्वरलाल खण्डेलवाल, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।

9 हिंदीआलोचनाशिखरों का साक्षात्कार–रामचन्द्रतिवारी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।

10 हिंदीआलोचना की पारिभाषिक शब्दावली–डॉ0 अमरनाथ, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।

Semester – 4th

| Name of Program | | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | भारतीय साहित्य– 2 | Course Code | **26HND204DS03OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note:

- प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दसवस्तुनिष्ठप्रश्नपूछेजाएंगे । प्रत्येकप्रश्नएक-एक अंक काहोगा।। पूराप्रश्न 10अंक का होगा।

- प्रश्न–2.निर्धारितपाठ्यक्रममें सेआठअवतरणदिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारअवतरणों की संदर्भसहितव्याख्या करनीहोगी।प्रत्येकव्याख्या के लिए पाँचअंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न20अंक का होगा।

- प्रश्न3.निर्धारितपाठ्यक्रममें से आठआलोचनात्मकप्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारप्रश्नों के उत्तरदेनेहोंगे।प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्नकरनाअनिवार्यहै।प्रत्येकप्रश्न के लिए दसअंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न 40अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 हिंदी साहित्य के भारतीय साहित्य का ज्ञान

**2 प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी**

Unit 1:दीवान–ए–गालिब, संपा0–अली सरदारजाफरी, राजकमलप्रकाशन, नईदिल्ली।

निर्धारितगजलें :

| | |
|---|---|
| बस किदुश्वारहै | 18 |
| ये न थीहमारीकिस्मत | 21 |
| ज़िक्र उस परीचश का | 44 |
| रहिए अब ऐसीजगह | 128 |
| कोईउम्मीदबरनहींआती | 162 |
| दिलेनादांतुझे हुआक्याहै | 163 |
| हर एक बातपैकहतेहो | 179 |
| नुक्तचीहैग़म–ए–दिल | 192 |
| इब्नेमरियमहुआकरेकोई | 216 |
| हजारों ख्वाहिशें ऐसी | 220 |

- ग़ालिब की ग़ज़लों का काव्य–सौष्ठव

Unit 2 रवीन्द्रनाथ की कहानियाँ (खण्ड I), अनु0–रामसिंह तोमर, साहित्य अकादमी, नईदिल्ली

**पाठ्यक्रममें निर्धारितकहानियॉं–**

पोस्टमास्टर, काबुलीवाला, दृष्टिदान, नष्टनीड़, पत्नी का पत्र, पात्र औरपात्री

रवीन्द्रनाथटैगोर की कहानियॉं–पाठ्यक्रममें निर्धारितकहानियों की मूलसंवेदना एवंचरित्र चित्रण परआधारितप्रश्न

Unit 3'खामोश अदालत जारी है' (नाटक) : विजय तेंदुलकर

'खामोशअदालतजारीहै' : नाटक की मूलसंवेदना, प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण, पितृसत्तात्मकव्यवस्थापरव्यंग्य, रंगमंच की दृष्टि से नाटक

## UNIT-4

संस्कार (उपन्यास) : यू0 आर0 अनंतमूर्ति

संस्कार : उपन्यास का मूलप्रतिपाद्य, नामकरण, प्रमुख पात्रों का चरित्रचित्रण, उपन्यास का शिल्प–पक्ष

## References:-


1 बंगलासाहित्य की कथा : हिंदीसाहित्य –सुकुमारसेन, हिंदीसाहित्य सम्मेलनप्रयाग सं0 2009

2 रवीन्द्रकविताकानन–सूर्यकांत त्रिपाठीनिराला, राजकमलप्रकाशन, नई दिल्ली–1955

3 बंगलासाहित्य का इतिहास, सुकुमारसेन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली–1970

4 फोर्टविलियमकॉलेज, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, इलाहाबादविश्वविद्यालय, इलाहाबाद–1948

5 मध्यकालीन धर्मसाधना, हजारीप्रसाद द्विवेदीसाहित्य भवन, इलाहाबाद सं0 1013

Semester – 4th

| Name of Program | | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | प्रयोजन मूलक हिंदी– 2 | Course Code | **26HND204DS04OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

Note:

- प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दसलघूत्तरीय प्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमें से सातप्रश्नों का उत्तरदेनाहोगा।प्रत्येकप्रश्नदोअंक का होगा।पूराप्रश्न 14 अंक का होगा।
- प्रश्न–2. निर्धारितपाठ्यक्रममें से कुल छः दीर्घप्रश्नपूछेजाएंगे, जिसमें से तीनप्रश्नों का उत्तरदेनाहोगा।प्रत्येकप्रश्न 14 अंक का होगा।पूराप्रश्न 42अंक का होगा।
- प्रश्न–3.इकाई–3 में निर्धारितपारिभाषिक शब्दावलीमें से 20 अंग्रेजी शब्ददिए जाएंगे।परीक्षार्थियोंको 14 शब्दों के हिंदीपारिभाषिक रूपलिखनेहोंगे।प्रत्येकउत्तर एक–एकअंक का होगा।पूराप्रश्न 14 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 हिंदीपत्रकारिता व समाचारलेखन का ज्ञान।

2 संचार माध्यम व मीडिया की समझविकसितहोगी।

## Unit 1<u>पत्रकारिता</u>

- पत्रकारिता : परिभाषा, स्वरूप, वर्गीकरणऔरमहत्व
- हिंदीपत्रकारिता : उद्‌भवऔरविकास
- संवाददाता के गुण
- समाचारलेखनकला
- समाचार के स्रोत
- प्रेसविज्ञप्ति
- संपादकऔरसंपादन
- प्रूफपठनऔरसंशोधन

## Unit 2 **मीडियालेखन**

जनसंचारप्रौद्योगिकी एवंचुनौतियाँ

जनसंचार माध्यम :

- मुद्रण (प्रिंट मीडिया) समाचारपत्र का साहित्यिकस्वरूप
- श्रव्य माध्यम (आकाशवाणी) का भाषाई एवंसाहित्यिकस्वरूप
- दृश्य–श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन, चलचित्र आदि) का भाषाईऔरसाहित्यिकस्वरूप
- दृश्य–श्रव्य तत्वऔरउनकासामंजस्य
- फीचर : परिभाषा, स्वरूपऔरविशेषताएँ
- विज्ञापन की भाषा

## भाषा-विज्ञानशब्दावली

Accent-आघात बल

Adjective- विशेषण

Alphabet-वर्णमाला

Bilingual-द्विभाषी

Bracket-कोषटन

Close-संवर्त

Comma-अल्पविराम

Concept-संकरना

Density- घनत्व

Derive- युक्ति

Domal-मूर्धन्य

Ear- कान

Editing- संपादन

Explosion- विस्फोट

Folk Speech- लोक भाषा

Formula-सूत्र

Gap- रिक्ति

Glossary-शब्दावली

Graph- आलेख

Half Open- अर्ध विवर्त

Hybrid Word-संकर शब्द

Idiomatic- मुहावरेदार

Labial- ओष्ठ्य

Lexis- शब्द समूह

Mapping- मन चित्रण

Motion- गति

Nasal- नासिक्य

Phase- वाक्यांश

Root- धातु

Spelling- वर्तनी

Style- शैली

Vowel- स्वर

## मानविकी शब्दावली

Abbreviation-संक्षेपण

Absence-अनुपस्थिति

Adhoc- तदर्थ

Basic- मूल आधारभूत

Class-वर्ग / कक्षा

Concept-संकल्पना

Definition-परिभाषा

Dialect-बोली

Epic-महाकाव्य

Ethics-नीतिशास्त्र

Faculty- संकाय

Format- प्रारूप

Grant-अनुदान

Gender- लिंग

Heading- शीर्षक

Idiom- मुहावरा

Journalism-पत्रकारिता

Logic- तर्कशास्त्र

Method- पध्दति

Monopoly-एकाधिकार

Noun-संज्ञा

Notification- अधिसूचना

Officiating- स्थानापना

Ordinance- अध्यादेश

Part Time-अंश कालिक

Proverb -लोकोक्ति

Record- अभिलेख

Sample- नमूना

**प्रशासनिक**शब्दावली

Ability- योग्यता

Acceptance- स्वीकार्य

Actual- वास्तविक

Allowance-भत्ता

Background- पृष्ठभूमि

Back Log- पिछला बकाया

Casual Leave-आकस्मिक अवकाश

Concession-रियायत

Daily Allowance-दैनिक भत्ता

Dead Line- समय सीमा

Delete- हटाना

Economy- अर्थ व्यवस्था

Employee- कर्मचारी

Face Value-अंकित मूल्य

Fine Art-ललित कलायें

Gazetted-राजपत्रित

Gold Medal- स्वर्ण पदक

Handover-सौंपना

Honorary-मानक/अवैतनिक

Illegal-अवैध

Keyboard-कुंजीपटल

Light House-प्रकाशस्तम्भ

Management- प्रबंधन

Nationalism-राष्ट्रीयता

Oath-शपथ

Pay Scale-वेतनमान

Quiz-प्रश्नोतरी

Renewal-नवीकरण

Salary-वेतन

Script-आलेख/लिपि

Target-लक्ष्य

Time Table-समय सारिणी

Ultimate-अंतिम चरण

Verbal-मौखिक

Warning-चेतावनी

Welfare-कल्याण

Xerox Copy- छायाप्रति/जीरोक्स कापी

Youth-युवा

Zeal- उत्साह/जोश

Zonal-आंचलिक

## कंप्यूटरशब्दावली

Absolute- निरपेक्ष

Account- खाता

Back Up- पूर्तिकर

Blank- रिक्त

Cancel-निरमन
Code- कूट
Computer- कंप्यूटर
Control- नियंत्रण
Data- आंकड़ा
Delete- विलोपन
Diagram- आरेख
Edit- संपादन
Error- त्रुटी
Enter-प्रवेश
Feed Back- पुनर्भरण
File-संचिका
Graph- आलेख
Graphic Display Unit- आलेखी प्रदर्शक
Hand Up - अनायोजित विराम
Keyboard- कुंजीपटल
Location- स्थान
Memory- स्मृति
Micro Code- सूक्ष्म कूट
Network-जालकर्म
Processing-संसाधन
Process-प्रक्रम
Screen-प्रपट्ट
User-उपभोक्ता
Window- गवाक्ष

## References:-


1 राजभाषाहिंदी–कैलाशचन्द्रभाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2 प्रशासनिकहिंदी, महेशचन्द्रगुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3 व्यावहारिकहिंदीऔरस्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4 भाषाऔरभाषाविज्ञान, डॉ0 नरेशमिश्र, निर्मलप्रकाशन, दिल्ली ।
5 भाषाविज्ञानऔरमानक हिंदी–डॉ0 नरेशमिश्र, अभिनवप्रकाशन, दिल्ली ।
6 भाषाऔरभाषा विज्ञान–डॉ0 हरिश्चन्द्रवर्मा, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक ।
7 आधुनिकविज्ञापन–प्रेमचन्दपातंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
8 प्रयोजनमूलकहिंदी, दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
9 कंप्यूटरप्रोग्रामिंग एंडआपरेटिंगगाइड–शशांकजौहरीपूर्वांचलप्रकाशन, दिल्ली ।
10 कंप्यूटर : सिद्धांतऔरतकनीक, राजेन्द्रकुमार, पूर्वांचलप्रकाशन, दिल्ली ।
11 कंप्यूटरऔरहिंदी–हरिमोहन, तक्षशिलाप्रकाशन, दिल्ली ।
12 रेडियोऔरपत्रकारिता–हरिमोहन, तक्षशिलाप्रकाशन, दिल्ली ।
13 सैद्धांतिक एवंअनुप्रयुक्तभाषा विज्ञान–डॉ0 रवीन्द्रनाथश्रीवास्तव, साहित्य सहकार, दिल्ली।
14 प्रयोजनमूलकहिंदी: रोजगार का राजद्वार-**डॉ नरेश मिस्र**]केंद्रीय हिंदी निदेशालय]तथा नेशनल बुक ट्रस्ट] नई**दिल्ली।**


**डॉ**

| Name of Program | | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | विशेष रचनाकार प्रेमचंद – 2 | Course Code | **26HND204DS06OL** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 70+30=100 | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note:
- प्रश्न–1. निर्धारितपाठ्यक्रममें से दसवस्तुनिष्ठप्रश्नपूछेजाएंगे । प्रत्येकप्रश्नएक-एक अंक काहोगा।पूराप्रश्न 10अंक का होगा।।
- प्रश्न–2. निर्धारितपाठ्यक्रममेंइकाई 1, 2 और 3 से कुल छअवतरणदिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारअवतरणों की संदर्भसहितव्याख्या करनीहोगी।प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करनाअनिवार्यहै, प्रत्येकव्याख्या के लिए पाँचअंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न**20**अंक का होगा।
- प्रश्न3. निर्धारितपाठ्यक्रममेंसेकुलआठप्रश्नदिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियोंकोकिन्हींचारप्रश्नों के उत्तरदेनेहोंगे।प्रत्येकप्रश्न के लिए 10अंक निर्धारितहैं।पूराप्रश्न 40अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):
**1** हिंदी साहित्य का ज्ञान होगा।
**2** हिंदीउपन्यासोंकी समझविकसितहोगी।

Unit 1:रंगभूमि

Unit 2 कर्मभूमि

Unit 3प्रेमाश्रम

Unit **4** आलोच्य विषय

1 प्रेमचंदपूर्वउपन्यास–परम्परा
2 प्रेमचंद के उपन्यासोंमेंसामाजिक–चेतना
3 प्रेमचंद के उपन्यासोंमेंआदर्शऔर यथार्थ
4 प्रेमचंद के उपन्यासोंमेंनारी–चित्रण
5 प्रेमचंद का औपन्यासिकशिल्प
6 रंगभूमिमेंगॉधीवादीदर्शन
7 प्रेमाश्रममें कृषक जीवन
8 कर्मभूमिमेंराष्ट्रीय स्वाधीनताआन्दोलन
9 हिंदीउपन्यासकोप्रेमचंद का योगदान

# References:-


1 जैनेन्द्रकुमार : प्रेमचंद एक कृतिव्यक्तित्व
2 नन्ददुलारेवाजपेयी : प्रेमचंद : साहित्यिकविवेचना
3 अमृतराय : कलम का सिपाही, प्रेमचंद की प्रासंगिकता
4 शिवरानीदेवी : प्रेमचंद घरमें
5 रामविलास शर्मा : प्रेमचंद एक विववेचन
6 कल्याणमललोढ़ा सं0 : प्रेमचंदपरिचर्चा
7 राजेश्वरगुरु संपादक : गोदानमूल्यांकनमाला
8 विश्वनाथप्रसादतिवारी संपा0 : प्रेमचंद
9 शैलेशजैदी : प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा –नवमूल्यांकन
10 कमलकिशोरगोयनका : प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्पविधान
11 नन्दकिशोरनवल : प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्र
12 रामबक्ष : प्रेमचंदऔरभारतीय किसान
13 कोमलकोठारी, देया : प्रेमचंद के पात्र
14 मदनगोपाल : कलम का मजदूर

Semester- 4th

| Name of Program | | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | हिंदी भाषा और अभिव्यक्ति कौशल- 2 | Course Code | 26HND204SE01OL |
| Hours per Week | 4 | Credits | 4 |
| Maximum Marks | 100 | Time of Examinations | |

**Note : Formative Assessment Model**

| | Marks distribution |
|---|---|
| Written test (2 X 15) | 30 |
| MCQs/ Quizzes/ Group Discussion (2 X 10) | 20 |
| Case study / Mini project (1 X 25) | 25 |
| Seminar / Presentation (2 X 10) | 20 |
| Attendance | 05 |
| **Total** | **100** |

**Course Learning Outcomes (CLO):**

1. भाषाई दक्षता का विकास
2. विद्यार्थियों की कार्यकुशलतामेंवृद्धि
3. विषय के संक्षेपण एवंपल्लवन की कुशलता का विकास

**Unit 1**हिंदीभाषा की बोलियां

हिंदीभाषा की शैलियां

**Unit 2:**संक्षेपण : अर्थ, स्वरूप एवंविशेषताएँ

प्रतिवेदन : अर्थ, स्वरूप एवंविशेषताएँ

**Unit 3**हिंदीविविध प्रयुक्तियां

बोलचाल की हिंदी, साहित्यिकहिंदी, विज्ञान की हिंदी, कार्यालयीहिंदी

**Unit 4:**प्रभावीलेखन, संचार माध्यम के लिए लेखन

विविध पत्र लेखन

**References**1.

1. हिंदीभाषा, भोलानाथतिवारी
2. प्रयोजनमूलकहिंदी : सिद्धांत एवंप्रयोग, दंगलझाल्टे
3. हिंदी का सामान्य ज्ञान, हरदेवभारती
4. संचारभाषाहिंदी, सूर्यप्रसाददीक्षित
5. राजभाषाहिंदी, भोलानाथतिवारी
6. हिंदीभाषा का सामाजिकसंदर्भ, रवींद्रनाथश्रीवास्तव